Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 17 जनवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 110

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी- मोदी सरकार ने दी 8वें वेतन आयोग को मंजूरी

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। मंत्रिमंडल ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी प्रदान कर दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी साझा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय सरकारी कर्मचारियों के लिए लाभ सुनिश्चित करने के मद्देनजर लिया गया है।

आयोग के अध्यक्ष और दो सदस्यों की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी। सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें 2016 में लागू की गई थीं, लेकिन इसका कार्यकाल 2026 में समाप्त हो रहा है। हालांकि आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें सातवें वेतन आयोग का कार्यकाल पूरा होने से पहले ही प्राप्त होने की उम्मीद है, जिसके लिए 2025 तक पर्याप्त समय दिया गया है। आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें 2026 तक लागू होने की उम्मीद है। केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद से देशभर के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारियों को लाभ मिलेगा। केंद्रीय कर्मचारियों के संगठन लंबे समय से आठवें वेतन आयोग के गठन की मांग कर रहे थे। ये संगठन सरकार पर लगातार दबाव बना रहे थे। ताकि कर्मचारियों के वेतन संबंधी मुद्दों का समाधान हो सके। कई बार कर्मचारी यूनियनों ने केंद्र सरकार से इस विषय में स्थिति स्पष्ट करने की मांग भी की थी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, आठवें वेतन आयोग में न्यूनतम आधार वेतन को बढ़ाकर 34,650 रुपये किया जा सकता है, जो कि सातवें वेतन आयोग में 18,000 रुपये है। वहीं, पेंशन को 9,000 रुपये से बढ़ाकर 17,280 रुपये किया जा सकता है। केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन को तय करने में फिटमेंट फैक्टर की अहम भूमिका होती है। इस बार यह 1.92 हो सकता है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन और उसकी सिफारिशें स्वीकार होने पर लगभग 49 लाख सरकारी कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों के वेतन पर इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा और उन्हें इसका लाभ मिलेगा। केंद्रीय वेतन आयोग का गठन समय-समय पर केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन ढांचे और भत्तों में बदलाव की समीक्षा और सिफारिशों के लिए किया जाता है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा 28 फरवरी 2014 को गठित सातवें वेतन आयोग ने 19 नवंबर 2015 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसकी सिफारिशें 1 जनवरी 2016 से लागू की गई थीं। इस समय सीमा के आधार पर आठवें वेतन आयोग के 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होने की उम्मीद की जा रही है। आठवें केन्द्रीय वेतन आयोग के गठन और उसकी सिफारिशें स्वीकार होने पर लगभग 49 लाख सरकारी कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों के वेतन पर इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा और उन्हें इसका लाभ मिलेगा। केंद्रीय वेतन आयोग का गठन समय-समय पर केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन ढांचे और भत्तों में बदलाव की समीक्षा और सिफारिशों के लिए किया जाता है।

इसरो ने रचा इतिहास, स्पेस में दोनों सैटेलाइट को जोड़ने में मिली सफलता; ऐसा करने वाला चौथा देश बना भारत

बेंगलुरु । आरएनएस

इसरो ने अपने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट के तहत सैटेलाइट को जोडऩे में सफलता हासिल कर ली है। स्पेस एजेंसी इस बारे में जानकारी दी है। इसरो ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसे ऐतिहासिक क्षण बताया। इसके साथ ही ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है।

इसके पहले 12 जनवरी को इसरो ने डॉकिंग के ट्रायल के दौरान दोनों सैटेलाइट को तीन मीटर से भी कम दूरी पर लाकर वापस सुरक्षित दूरी पर पहुंचा दिया था। आपको बता दें कि इसरो ने 30 दिसंबर 2024 को स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट लॉन्च किया था।

श्रीहरिकोटा से हुई थी लॉन्चिंग

पीएसएलवी सी60 रॉकेट के मदद से दो छोटे सैटेलाइट स्फ्ठड्ग01 और स्फ्ठड्ग02 को लॉन्च किया गया था। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च कर 475 किलोमीटर सर्कुलर ऑर्बिट में स्थापित कर दिया गया था।

इसरो के अनुसार, स्पाडेक्स मिशन पीएसएलवी द्वारा लॉन्च किए गए दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग के प्रदर्शन के लिए एक कॉस्ट इफेक्टिव टेक्नोलॉजी मिशन है। अंतरिक्ष में, डॉकिंग तकनीक तब आवश्यक होती है, जब सामान्य मिशन के लिए कई रॉकेट लॉन्च की जरूरत होती है।

महत्वपूर्ण एवं खास

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर मंत्री को दी थी धमकी, आरोपी गिरफ्तार; 30 लाख की मांगी थी रंगदारी

पटना (आरएनएस)। बिहार पुलिस ने उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले से एक शख्स को गिरफ्तार किया है, जिसने राज्य के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर धमकी दी थी। उसने मंत्री से 30 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी, नहीं तो बाबा सिद्दीकी जैसा हाल करने की धमकी दी थी। पुलिस ने आरोपी के पास से मोबाइल फोन भी बरामद किया है। मंत्री संतोष कुमार सिंह ने मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई बताकर फोन किया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। साथ ही, उसने 30 लाख रुपये की रंगदारी भी मांगी। मंत्री ने इस घटना के बारे में बिहार के पुलिस महानिदेशक को भी सूचित किया था। बिहार पुलिस के एक बयान के अनुसार, मंत्री से औपचारिक शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत एक टीम का गठन किया। पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता का इस्तेमाल करते हुए आरोपी को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से वह मोबाइल फोन भी बरामद किया गया, जिससे मंत्री को धमकी भरी कॉल की गई थी। आरोपी को अब पटना लाया जा रहा है।

दिल्ली पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी, गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल के कारण पांच दिन यातायात रहेगा बाधित

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड से पहले कर्तव्य पथ पर रिहर्सल 17 जनवरी से शुरू हो रही है। इस दौरान आम लोगों को कोई परेशानी न हो इसलिए दिल्ली पुलिस ने ट्रैफिक एडवायजरी जारी की है। इस व्यवस्था के तहत, यातायात के लिए कुछ मार्गों पर प्रतिबंध और बदलाव किए गए हैं ताकि रिहर्सल के दौरान किसी प्रकार की दिक्कत न हो और लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी की गई एडवाइजरी में बताया गया है कि गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल के दौरान विशेष यातायात व्यवस्था 17, 18, 20 और 21 जनवरी को लागू रहेगी। कर्तव्यपथ-रफी मार्ग क्रॉसिंग, कर्तव्यपथ-जनपथ क्रॉसिंग, कर्तव्यपथ-मानसिंह रोड क्रॉसिंग और कर्तव्यपथ-सी-हेक्सागन पर सुबह 10:15 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक यातायात बंद रहेगा। उत्तर दिल्ली से दक्षिण दिल्ली जाने वाले लोग रिंग रोड, सराय काले खां, आईपी फ्लाईओवर, राजघाट, लाजपत राय मार्ग, मथुरा रोड, भैरों रोड, रिंग रोड, अरबिंदो मार्ग, सफदरजंग रोड, कमाल अत्तातुर्क मार्ग, कौटिल्य मार्ग से जा सकते हैं। पूर्व से दक्षिण-पश्चिम दिल्ली की ओर जाने वाले लोग रिंग रोड से वंदे मातरम रूट का उपयोग कर सकते हैं।

कंगना रनौत को लगा झटका, बांगलादेश में प्रतिबंधित हुई इमरजेंसी

मुंबई (आरएनएस)। कंगना रनौत की 'इमरजेंसी' काफी बार पोस्टपोन होने के बाद अब आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। लेकिन रिलीज होने से पहले इमरजेंसी को एक झटका लगा है। दरअसल फिल्म को बांग्लादेश में बैन कर दिया गया है। कई विवादों में उलझने के बाद और कुछ सीन्स हटाने के बाद सेंसर बोर्ड ने 'इमरजेंसी' का रास्ता साफ कर दिया। लेकिन इसके बावजूद फिल्म की परेशानियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। फिल्म रिलीज होने में अब सिर्फ दो दिन बाकी हैं और इसे बांग्लादेश में बैन कर दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच चल रहे तनावपूर्ण वक्त के कारण ये फैसला लिया गया है। इस फिल्म में पॉलिटिकल डायनेमिक्स के चलते इसे इस परेशानी का सामना करना पड़ा। दूसरा कारण यह भी है कि इसमें बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति और स्वतंत्रता सेनानी शेख मुजीबुर रहमान की हत्या दिखाई गई है। दरअसल बाग्लादेश में इन्हें फादर ऑफ बांग्लादेश भी कहा जाता है और उन्होंने पाकिस्तान और बांग्लादेश के विभाजन में मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके अलावा इंदिरा गांधी का भी इस विभाजन में योगदान था जिसका नतीजा ये हुआ कि 1971 में भारत-पाकिस्तान का युद्ध हुआ। 'इमरजेंसी' 14 जून 2024 को रिलीज होने वाली थी लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते इसे रिलीज नहीं किया जा सका। जिसके बाद इसे 6 सितंबर के लिए पोस्टपोन किया गया लेकिन फिर सेंसर बोर्ड ने सर्टिफिकेट देने से इनकार कर दिया। जिसके बाद कंगना हाईकोर्ट भी गईं, आखिरकार सेंसर बोर्ड से फिल्म में कुछ बदलावों के बाद कंगना ने अनाउंस किया कि फिल्म को सर्टिफिकेट दे दिया गया है।

महाकुंभ में छाया इंजीनियर बाबा, कनाडा में नौकरी, करोड़ों का पैकेज छोड़ने के खोले राज

प्रयागराज । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दुनिया के सबसे बड़े महापर्व, महाकुंभ का आगाज हो चुका है। इस महाकुंभ में आईआईटीयन बाबा अभय सिंह, जिन्हें इंजीनियर बाबा के नाम से जाना जा रहा है। वह काफी चर्चा में बने हुए है।

इंजीनियर बाबा अभय सिंह का दावा है कि उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की है। पढ़ाई के बाद उन्हें एक बड़ी कंपनी में लाखों के पैकेज पर नौकरी भी मिली, लेकिन उन्होंने सांसारिक मोह-माया को त्यागकर आध्यात्म का मार्ग चुना।

अभय सिंह ने कहा कि मैं कनाडा में नौकरी कर रहा था। उस वक्त तीन लाख प्रति महीने की उनकी सैलरी थी। उसके बाद सैलरी में इजाफा भी हुआ और काफी अच्छी सैलरी पर वह वहां से छोडक़र भारत आ गए। अभय सिंह ने कहा कि जब आईआईटी मुंबई से निकलकर फैशन डिजाइनर का कोर्स करने के बाद मेरे पास नौकरी के साथ-साथ घर बसाने का भी विकल्प था। बावजूद इसके कुछ ऐसी बात थी कि ऐसा लगता था कि कमी है। बस फिर क्या जो इच्छा हुई भी वह समय के साथ जाती रही। बाबा अभय सिंह ने कहा कि मैंने दसवीं तक की पढ़ाई हरियाणा में की। उसके बाद मैंने आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से पढ़ाई की तो ऐसा लग रहा था ऐरोनॉटिक्स इंजिनियर ही सबकुछ है। लेकिन उसके बाद भी लगा कि जिस सांइस को मैने पढ़ा है, वो तो कुछ है ही नहीं। उन्होंने कहा कि अभी जो आध्यात्म पढ़ रहे हैं वही असली साइंस है। अभय सिंह ने कहा कि उनके पीछे पूरा परिवार है। उनके पिता पेशे से वकील हैं। उनकी एक बहन है जो कनाडा में रहती है। उन्होंने कहा कि बहुत मुश्किल था इस सामाजिक दायरे को तोडऩा। हालांकि उन्होंने कहा कि अब वह घर नहीं जाते हैं।

प्रेम प्रसंग में दो बहनों का अपहरण, कर्नाटक से बरामद कर लाई गईं रांची, पांच गिरफ्तार

रांची । आरएनएस

रांची के हिंदपीढ़ी की रहने वाली दो बहनों की कर्नाटक से सकुशल बरामदगी के साथ उनके अपहरण के आरोप में पांच युवकों को गिरफ्तार किया गया है। बेहद शातिराना तरीके से अंजाम दी गई इस घटना के पीछे प्रेम प्रसंग की कहानी सामने आई है। 11 जनवरी को दोनों युवतियों के अपहरण की एफआईआर दर्ज होने के बाद से रांची में हंगामा मचा हुआ था।

रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इस घटना का मुख्य अभियुक्त कर्नाटक के रायचूर का रहने वाला मो. इस्माइल है, जिसका हिंदपीढ़ी की रहने वाली रहनुमा परवीन के साथ प्रेम प्रसंग था। इस्माइल के बहकावे में आकर रहनुमा परवीन और उसकी छोटी बहन भी पूरे प्लान में सहभागी बन गई थी। इसी प्लान के तहत छोटी बहन ने अपने पिता को फोन कर बताया था एक ऑटो वाला उन्हें जबरदस्ती कहीं ले जा रहा है और उनके मोबाइल एवं पर्स छीन लिए हैं। इतनी बात कहने के बाद दोनों लड़कियों का फोन स्विच ऑफ हो गया। तफ्तीश में यह बात सामने आई है कि घरवालों के साथ पुलिस को गुमराह करने के लिए यह फोन कॉल कराया गया था। घटना में किसी ऑटो वाले की संलिप्तता सामने नहीं आई।

एसएसपी ने बताया कि इस मामले में अपहरण की एफआईआर दर्ज कराए जाने के तुरंत बाद पुलिस फोन लोकेशन के आधार पर जंगल से लेकर पहाड़ी इलाके तक में छापेमारी की, लेकिन उनका पता नहीं चला। पुलिस इनका लोकेशन ट्रैक नहीं कर सकी। उन लोगों ने फोन से लेकर सिम कार्ड तक तोड़ डाले थे। वे लोग बगैर सिम कार्ड वाले नए मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे थे और इसके लिए रेलवे के वाई-फाई सहित अन्य सहयोगियों के मोबाइल हॉटस्पॉट की मदद ले रहे थे।

लड़कियों को रांची से एक ऑल्टो कार से पहले झारखंड के चितरपुर और वहां से कोडरमा और उसके बाद ट्रेन से गया, वाराणसी होते हुए कर्नाटक ले जाया गया था। इनकी बरामदगी के लिए की गई छापेमारी में कर्नाटक के एडीजी और वहां की स्थानीय पुलिस ने सहयोग किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में कर्नाटक निवासी मो. इस्माइल के अलावा रांची के हिंदपीढ़ी का जुनैद आलम, कासिद फिरोज, रामगढ़ के चितरपुर का मजहर आलम और गढ़वा का इमरान खान शामिल हैं। इनके पास से एक ऑल्टो कार, एक स्कूटी, पांच मोबाइल और जाली आधार कार्ड बरामद किए गए हैं।

इस पूरे मामले के खुलासे, युवतियों की बरामदगी और अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में डीएसपी प्रकाश सोय, के. बी. रमण, ट्रेनी डीएसपी दुसरू बान सिंह, प्रभात कुमार सिंह, कोतवाली थाना प्रभारी आदिकांत महतो, हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी सुनील कुशवाहा के अलावा 21 पुलिसकर्मी शामिल रहे। एसएसपी चंदन सिन्हा ने कहा कि पूरी टीम को त्वरित और बेहतरीन कार्रवाई के लिए पुरस्कृत किया जाएगा।

अभिनेता सैफ अली खान पर हमला, शख्स ने घर में घुसकर मारा चाकू

मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती

मुंबई । आरएनएस

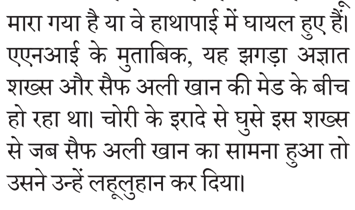

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर बुधवार देर रात उनके ही घर में चाकू से हमला किया गया। इसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि घटना आधी रात को अभिनेता के बांद्रा स्थित घर पर हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद बांद्रा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

रजानकारी के मुताबिक, एक अज्ञात शख्स सैफ के घर में घुसा। दोनों के बीच हाथापाई हुई। घटना के समय अभिनेता के कुछ पारिवार के अन्य सदस्य भी घर में मौजूद थे। कहा यह भी जा रहा है कि घर में घुसे शख्स की नौकरानी से बहस हुई। जब अभिनेता ने बीच-बचाव कर व्यक्ति को समझाने और शांत करने की कोशिश की, तो उसने सैफ अली खान पर हमला कर दिया।

वहीं बांद्रा के डीसीपी ने कहा, ये सच है, रात 2.30 बजे सैफ अली खान के घर में अनजान शख्स घुसा। इस दौरान सैफ अली खान पर चोर ने चाकू से हमला कर दिया। डीसीपी ने बताया कि इसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, ये चोटें उतनी गंभीर नहीं हैं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें चाकू मारा गया है या वे हाथापाई में घायल हुए हैं। एएनआई के मुताबिक, यह झगड़ा अज्ञात शख्स और सैफ अली खान की मेड के बीच हो रहा था। चोरी के इरादे से घुसे इस शख्स से जब सैफ अली खान का सामना हुआ तो उसने उन्हें लहूलुहान कर दिया।

सैफ पर हमला करने वाले का चेहरा आया सामने, सीसीटीवी फुटेज में सीढ़ियों से उतरता दिखा

मुंबई (आरएनएस)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर उनके मुंबई स्थित आवास पर चाकू से हुए हमले के मामले में आरोपी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। पुलिस को मिले सीसीटीवी फुटेज में आरोपी का चेहरा साफ नजर आ रहा है। वह गुरुवार तडक़े 2:33 बजे बिल्डिंग की सीढिय़ों से उतरता दिख रहा है। आरोपी शक्ल से ज्यादा उम्र का नहीं लग रहा है। पुलिस के हाथ लगे फुटेज में आरोपी बिल्डिंग की सीढिय़ों से उतरता नजर आ रहा है। पुलिस उसकी पहचान करने और उसे गिरफ्तार की कोशिश में जुटी है। पुलिस ने बताया कि हमलावर चोरी के इरादे से घर में घुसा था। वह फायर एग्जिट की सीढिय़ों का इस्तेमाल करते हुए घर में दाखिल हुआ था। आरोपी फिलहाल फरार है। मुंबई पुलिस ने बताया कि सैफ अली खान के घर में काम करने वाले हर व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है, ताकि कोई सुराग मिल सके। अभिनेता पर गुरुवार तडक़े घर में घुसे चोर ने धारदार हथियार से हमला किया। घायल सैफ को उपचार के लिए लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी सर्जरी हुई है। अभिनेता के स्वास्थ्य को लेकर उनकी टीम की तरफ से बयान जारी कर कहा गया कि अभिनेता अब खतरे से बाहर हैं। फिलहाल, वह अस्पताल में हैं और डॉक्टरों की एक टीम उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए हैं। बयान में आगे कहा गया कि अभिनेता की सर्जरी सफल हो चुकी है। वह अब बिल्कुल ठीक हैं। उन्हें किसी भी प्रकार का खतरा नहीं है। अभिनेता की टीम ने उन डॉक्टरों का भी शुक्रिया किया, जिन्होंने इस सर्जरी को अंजाम दिया।

दिल्ली- जयपुर हाइवे पर कैमिकल टैंकर में लगी आग, ड्राईवर ने कूद कर बचाई जान

बहरोड़ । आरएनएस

जिले के पनियाला थाना क्षेत्र में गुरुवार की अल सुबह दिल्ली जयपुर हाइवे 48 पर एक केमिकल से भरे टैंकर में अज्ञात कारणों से आग लग गई, जिससे क्षेत्र में हडक़ंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही पनियाला पुलिस मौके पर पहुंच गई और यातायात को रोक दिया।आग इतनी विकराल हो गई कि दमकल की गाडिय़ां, जो नीमराणा और बहरोड़ से आई थीं, आग बुझाने में घंटों लगी रहीं। बता दें कि कुछ दिन पहले ही जयपुर-अजमेर नेशनल हाइवे पर जयपुर में भांकरोटा के पास कैमिकल टैंकर में आग लगने से करीब 20 लोगों की जान जा चुकी है।

पनियाला थाना प्रभारी मोहर सिंह ने बताया कि करीब रात 3 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि हाइवे पर एक टैंकर में आग लगी है। मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस ने तुरंत यातायात को रोक दिया और दमकल विभाग को सूचना दी।

दमकल इंचार्ज मेघराज ने बताया कि आग की गंभीरता को देखते हुए एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया। क्रेन की सहायता से टैंकर को एक साइड हटा दिया गया। आग लगने से हाइवे पर कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बहरोड़ सदर पुलिस ने सोतानाला के पास ट्रैफिक को रोक दिया और आग बुझने के बाद यातायात को सुचारू रूप से चालू कर दिया।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सबसे अधिक पानी वाला राज्य होगा राजस्थान - केंद्रीय जलशक्ति मंत्री

जयपुर । आरएनएस

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने कहा है कि वह दिन दूर नहीं जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान सबसे अधिक पानी वाला राज्य होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। आमजन भी जल की एक-एक बूंद के महत्व को समझते हुए जल संचय में जुड़े, इस उद्देश्य से शुरू किया गया 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान अब एक जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने बुधवार को राजकीय महाविद्यालय, सांगानेर में सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के वर्षा जल संचयन के कार्यों के भूमि पूजन के अवसर पर कहा कि राज्य में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री ने राज्य को संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) के रूप में बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि 70 हजार करोड़ रुपये लागत की इस परियोजना में राज्य सरकारों पर मात्र 10 प्रतिशत ही वित्तीय भार आएगा और 90 प्रतिशत अंशदान केन्द्र सरकार देगी। यमुना जल समझौते से शेखावाटी क्षेत्र की जल समस्या का भी स्थायी समाधान हो जाएगा।

पाटिल ने कहा कि राजस्थान के लोगों से अधिक पानी के महत्व को कोई नहीं समझ सकता है। पहले के समय में राजस्थानी लोग जहां भी जाते थे वहां प्याऊ बनवाते थे। लेकिन अब प्याऊ की जगह धरती की प्यास बुझाने के लिए वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चर बनवाने की जरूरत है ताकि हर गांव का पानी गांव में, हर खेत का पानी खेत में और हर घर का वर्षा जल घर में ही जमीन में उतर सके। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अनूठी संकल्पना 'कैच द रेन' से प्रेरित है। इस अभियान में राजस्थान में 45 हजार रैन वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चर वर्ष 2027-28 तक बनाए जाने हैं, जो वर्षा का पानी संग्रहित कर भूमिगत पानी के स्तर को बढ़ाएंगे। देशभर में 10 लाख रैन वाटर रिचार्ज बोर के लक्ष्य के साथ चलाया जा रहा यह अभियान जन भागीदारी से जन आंदोलन में परिवर्तित होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राजस्थान के उद्यमी और भामाशाहों को इस अभियान में जोडऩे के लिए सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

बारिश आना जल संचय कार्यों के शुभारंभ के लिए शुभ संकेत - मुख्यमंत्री—

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जल संचय के कार्यों के शुभारंभ के लिए बारिश आने से बेहतर और कोई शुभ संकेत नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों की सीमितता को देखते हुए वर्षा जल को व्यर्थ बहने से रोकना और संरक्षित करना आवश्यक है। इसी दिशा में 'कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान' संचालित किया जा रहा है, जन सहभागिता से जल संचयन के कार्यों को सशक्त बनाने के इस अभियान में प्रवासी राजस्थानियों का भी अहम सहयोग प्राप्त हो रहा है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार और जन भागीदारी के साझा प्रयासों से सांगानेर जल संरक्षण और संवर्धन के लिए एक आदर्श बनेगा। इसी तरह प्रदेश के हर कोने में जल संचयन के कार्यों को गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक, गांव, पंचायत, कस्बा और शहर इस अभियान का हिस्सा बने और जल संरक्षण के इस पुनीत कार्य में योगदान दें।

कार्यक्रम की शुरूआत में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्षा जल संचयन के कार्यों का विधिवत् भूमि पूजन कर शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल मंत्री कन्हैया लाल, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव पीएचईडी एवं भू-जल भास्कर ए. सावंत सहित जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।